प्रेस नोट

मीडिया सेल एटीएस उ0प्र0

अवैध इन्टरनेट कालिंग रैकेट का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार

लखनऊः 19 जनवरी 2018

एटीएस द्वारा विगत वर्ष इण्टरनेट गेटवे को बाईपास कर तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को धता बताते हुए कार्य करने वाले 27 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 16 सिम बॉक्स और लगभग 50,000 सिम बरामद किये गए थे। परन्तु इन सिम बॉक्स में ट्रैफिक कहाँ से आ रहा था और नेट कालिंग कार्ड कहाँ से आम व्यक्ति ले रहे थे इसकी जानकारी नहीं हो पा रही थी।

यूपी एटीएस द्वारा सम्बंधित अभिसूचना को लगातार विकसित करते हुए आज कुशीनगर पुलिस व टर्म सेल (Telecom Enforcement Resource and Monitoring) के सहयोग से ऐसे समूह का भंडाफोड़ कर 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई जो आर0एन0 ग्रुप प्रा0लि0 नाम की संस्था के नाम से तिनहवा बाजार हाटा कुशीनगर रोड पर VoIP (Voice Over Internet Protocol) डायलर का काम करता है। संस्था का प्रमुख राम प्रताप सिंह दुबई मे रह चुका है।

अभियुक्तों का विवरण

1. रामप्रताप सिंह
2. विजय शर्मा
3. राम सिंगार सिंह
4. संतोष सिंह
5. हरिकेश बहादुर सिंह
6. बृजेश पटेल

निवासीगण- थाना अहिरौली, कुशीनगर

बरामदगी

7 लैपटॉप, मोबाइल फोन, बिल-बुक तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज।

क्या है SIM BOX का धंधा ?

इसके अंतर्गत विदेश से इन्टरनेट काल कर, सिम बाक्स के माध्यम से वाइस काल में बदल कर भारत के किसी भी नंबर पर बात कराई जा सकती है और विदेशी नम्बर की जगह डिस्प्ले पर भारत का ही नम्बर दिखेगा। ऐसी कॉल गेटवे के माध्यम से नही आती है जिसके कारण भारतीय सुरक्षा एजेंसीयो एवं टेलीफोन नियामक कम्पनी TERM/TRAI के द्वारा इनकी मॉनीटरिंग किया जाना संभव नही हो पता है।

- यह लोग कालिंग कार्ड बेचते हैं जिनके माध्यम से कॉल करने पर इंटरनेट क़ॉल को वोइस कॉल में बदल देते हैं
- राम प्रताप सिंह को प्रदेश के बाहर के एक व्यक्ति के द्वारा VOS3000 सॉफ्टवेयर के बारे में बताया गया था।
- रामप्रताप का मुख्य सर्वर विदेश में है। इसमें सभी काम ब्राउज़र के माध्यम से इन्टरनेट पर किया जाता है।
- VOS3000 का मुख्य कार्य VoIP कॉल को PSTN पर डायवर्ट करने का है।

बयान-असीम अरुण, IG UP ATS

यूपी एटीएस द्वरा ऐसे तकनीकी फ्राड करके राष्ट्रीय सुरक्षा को हानि पहुचाने वाले धन्धे को समाप्त करने के लिए एक्शन लिया जाता रहेगा। इस गिरोह में संलिप्त लोगों की गिरफ्तारी के बाद इस धंन्धे से जुड़े अन्य लोगों के विरुद्ध कार्यवाही जारी रहेगी।

- इन अभियुक्तों द्वारा SIM BOX पर जाने वाली कॉलों (traffic)को नियंत्रित किया जाता है अर्थात किस SIM BOX को कितनी कॉल देनी है।
- इनके पास 19 gateway IP थे तथा इसके द्वारा calling card बेचकर local ग्राहक भी बनाये जा रहे थे, जिसमे लगभग 6000 उपभोक्ता हैं। इन्होने गत 2 वर्षों में इसके माध्यम से 33 लाख रुपये कमाएं हैं।
- इस सम्बन्ध में थाना-अहिरौली, जनपद-कुशीनगर में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।
- अभियुक्तगण को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर अग्रिम पूछताछ की जाएगी।

एटीएस के उ०नि० के०एम० राय, दिनेश शर्मा, HC शैलेन्द्र सिंह आरक्षी लालधारी सिंह, प्रवीण राय, राज बब्बर मनीष, राजकुमार, आशीष, सुधांशु, राधेश्याम तथा कंप्यूटर ऑपरेटर केशव, सिद्धार्थ, कुशीनगर पुलिस के उ०नि० राकेश सिंह तथा श्यामलाल यादव, टर्म सेल के रविन्द्र वर्मा, कृष्ण कान्त-एडीजी सुरक्षा की इस ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस सराहनीय कार्य के लिए पुलिस महानिरीक्षक एटीएस द्वारा टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की गयी है।

-असीम अरुण, आईजी-यूपी एटीएस